

पाठ – 14

विभाजन को समझना राजनीति, स्मृति, अनुभव

लघु उत्तर

Q1. 1940 के अपने प्रस्ताव के माध्यम से मुस्लिम लीग ने क्या मांग की थी?

उत्तर : 23 मार्च 1940 को मुस्लिम लीग द्वारा एक प्रस्ताव पारित किया गया था। प्रस्ताव में उप-महाद्वीप के मुस्लिम-बहुल क्षेत्रों के लिए स्वायत्तता के उपाय की मांग की गई थी। सिकंदर हयात खान, पंजाब प्रीमियर और यूनियनिस्ट पार्टी के नेता ने प्रस्ताव का मसौदा तैयार किया। इस अस्पष्ट प्रस्ताव ने कभी विभाजन या पाकिस्तान की मांग नहीं की। सिकंदर हयात खान पाकिस्तान के विरोध में थे।

Q2. क्यों कुछ लोग विभाजन को एक बहुत ही अचानक घटना के रूप में मानते हैं?

उत्तर : कुछ लोगों को लगता है कि विभाजन एक बहुत ही अचानक घटना थी क्योंकि मुस्लिम लीग 1940 में अपनी मांग के बारे में अस्पष्ट थी। किसी को नहीं पता था कि पाकिस्तान के निर्माण का क्या मतलब है, और यह भविष्य में लोगों के जीवन को कैसे आकार दे सकता है। अपने घर से पलायन करने वाले कई लोगों ने सोचा था कि शांति होते ही वे लौट आएंगे।

Q3. आम लोगों ने विभाजन को कैसे देखा?

उत्तर : आम लोगों के लिए विभाजन एक बहुत बड़ी चुनौती थी। 1946 में कलकत्ता और नोआखली में नरसंहार हुआ, यह विभाजन पंजाब में सबसे अधिक खूनी और विनाशकारी था। महिलाएं और लड़कियां उत्पीड़न का प्रमुख निशाना थीं। लोगों को अपनी जमीनें छोड़कर अन्यत्र बसना पड़ा। लोगों ने अपनी भूमि और मवेशी खो दिए, कई ने अपनी आजीविका खो दी। यह लोगों के जीवन में एक अप्रत्याशित परिवर्तन था, जिसके लिए मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और सामाजिक समायोजन की आवश्यकता थी।

Q4. विभाजन के खिलाफ महात्मा गांधी के तर्क क्या थे?

उत्तर : महात्मा गांधी विविधता में एकता के एक मजबूत पक्षधर थे। वह कभी विभाजन नहीं चाहते थे। वह कभी भी धर्मों के आधार पर दो अलग-अलग प्रभुत्व नहीं चाहते थे। वह संयुक्त भारत के लिए अपने जीवन का बलिदान करने के लिए तैयार था। उन्होंने यह भी कहा कि वह दृढ़ता से आश्वस्त थे कि मुस्लिम लीग द्वारा पाकिस्तान की मांग को निर्विवादित किया गया था और इसे पापी कहने में उन्हें कोई संकोच नहीं था।

Q5. विभाजन को दक्षिण एशियाई इतिहास में एक अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ क्यों माना जाता है?

उत्तर : विभाजन को दक्षिण एशियाई इतिहास में एक अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जा सकता है क्योंकि यह अपनी तरह का एक था। यह एक व्यापक हिंसा थी जिसमें विभाजन की विशेषता थी। सभी संभावना में, लगभग 15 मिलियन लोगों को भारत और पाकिस्तान को अलग करने वाले जल्द से जल्द निर्मित सीमाओं के पार जाना पड़ा। औपचारिक स्वतंत्रता के दो दिन बाद तक दो नए राज्यों के बीच की

सीमाओं को आधिकारिक तौर पर नहीं जाना गया था। लोग बेघर हो गए थे और अचानक अपनी चल-अचल संपत्ति खो दी थी। लोग अपने रिश्तेदारों और दोस्तों से अलग हो गए थे। उन्हें शरणार्थी शिविरों में रहना पड़ा और खरोंच से अपनी जान लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

दीर्घ उत्तर

Q6. ब्रिटिश भारत का विभाजन क्यों किया गया?

उत्तर : वे कई कारक थे जिन्होंने ब्रिटिश भारत के विभाजन में एक उत्प्रेरक के रूप में काम किया। जिनमें से कुछ हैं - → कुछ विद्वानों ने विभाजन को एक सांप्रदायिक राजनीति की परिणति के रूप में देखा जो बीसवीं शताब्दी के शुरुआती दशकों में विकसित होने लगी थी। उनका सुझाव है कि 1909 में औपनिवेशिक सरकार द्वारा बनाए गए और 1919 में विस्तारित मुसलमानों के लिए अलग-अलग मतदाताओं ने महत्वपूर्ण रूप से सांप्रदायिक राजनीति की प्रकृति को आकार दिया। → डिवाइड एंड रूल के बीज पहले ही बोए गए थे। → संयुक्त प्रांत में, मुस्लिम लीग कांग्रेस के साथ एक संयुक्त सरकार बनाना चाहती थी। कांग्रेस ने प्रस्ताव ठुकरा दिया। कुछ विद्वानों का मानना है कि इस अस्वीकृति ने संघ को आश्वस्त किया कि यदि भारत संयुक्त रहा, तो मुसलमानों को राजनीतिक शक्ति हासिल करना मुश्किल होगा क्योंकि वे अल्पसंख्यक बने रहेंगे। → कांग्रेस के मंत्रियों ने भी इस दरार को बढ़ाने में योगदान दिया। संयुक्त प्रांत में, पार्टी ने गठबंधन सरकार के मुस्लिम लीग के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था क्योंकि संघ ने भूमिवाद का समर्थन किया, जिसे कांग्रेस ने खत्म करना चाहा था।

Q7. महिलाओं को विभाजन का अनुभव कैसे हुआ?

उत्तर : यह मानव जाति के इतिहास में सबसे भयानक अनुभवों में से एक रहा होगा। महिलाओं का बलात्कार किया गया, अपहरण किया गया, बेचा गया, अक्सर कई बार, अज्ञात परिस्थितियों में अजनबियों के साथ एक नया जीवन बसाने के लिए मजबूर किया गया। वे उन सभी से गहराई से आघात कर चुके थे जिनसे वे गुजर चुके थे, कुछ ने अपनी बदली हुई परिस्थितियों में नए पारिवारिक बंधन विकसित करने शुरू कर दिए। लेकिन भारतीय और पाकिस्तानी सरकारें दोनों ही मानवीय रिश्तों की जटिलताओं के प्रति असंवेदनशील थीं। महिलाओं को सीमा के गलत पक्ष पर विश्वास करते हुए, उन्होंने अब उन्हें अपने नए रिश्तेदारों से दूर कर दिया, और उन्हें उनके पहले के परिवारों और स्थानों पर वापस भेज दिया। उन्होंने संबंधित महिलाओं से परामर्श नहीं किया, उनके स्वयं के जीवन के बारे में निर्णय लेने के अधिकार को कम किया।

Q8. विभाजन पर कांग्रेस ने अपने विचार कैसे बदले?

उत्तर : मुस्लिम लीग ने कैबिनेट मिशन योजनाओं से अपना समर्थन वापस ले लिया। उसके बाद उन्होंने 16 अगस्त, 1946 को 'डायरेक्ट एक्शन डे' के रूप में तय किया। इस दिन कलकत्ता में जड़ें टूट गईं, जिससे कई हजार लोग मारे गए। मार्च 1947 तक हिंसा उत्तरी भारत के कई हिस्सों में फैल गई। मार्च 1947 में कांग्रेस हाईकमान ने पंजाब को दो हिस्सों में विभाजित करने के लिए मतदान किया, एक मुस्लिम बहुमत के साथ और दूसरा हिंदू / सिख बहुमत के साथ और बंगाल में भी इसी सिद्धांत को लागू करने के लिए कहा गया। इस समय तक, पंजाब में कई सिख नेताओं और कांग्रेसियों को यह विश्वास हो गया था कि

विभाजन एक आवश्यक बुराई है, अन्यथा उन्हें मुस्लिम प्रमुखों द्वारा दलित किया जाएगा और मुस्लिम नेता उन्हें तानाशाही करेंगे। उन्हें लगा कि केवल प्रांत का विभाजन उनके राजनीतिक प्रभुत्व को सुनिश्चित कर सकता है।

Q9. मौखिक इतिहास की ताकत और सीमाओं की जांच करें। मौखिक इतिहास की तकनीकों ने कैसे विभाजन की हमारी समझ को आगे बढ़ाया है?

उत्तर : मौखिक कथन, संस्मरण, डायरी, पारिवारिक इतिहास, प्रथम हाथ से लिखे गए लेख - ये सभी हमें देश के विभाजन के दौरान सामान्य लोगों के परीक्षणों और क्लेशों को समझने में मदद करते हैं। मौखिक इतिहास की ताकत यह हमें अनुभवों और यादों को विस्तार से समझने में मदद करती है। यह इतिहासकारों को विभाजन जैसी घटनाओं के दौरान लोगों के साथ हुई घटनाओं के बारे में विशद लेख लिखने के लिए सक्षम बनाता है। सरकारी दस्तावेजों से इस तरह की जानकारी निकालना असंभव है। यह इतिहासकारों को अपने अनुशासन की सीमाओं को व्यापक बनाने की अनुमति देता है, जो कि गरीबों और शक्तिहीन लोगों के जीवित अनुभवों से विस्मरण करता है। मौखिक-इतिहास की सीमाएँ हैं कि कई इतिहासकारों को इस पर संदेह है। वे इसे खारिज कर देते हैं क्योंकि मौखिक डेटा में कमी और कालानुक्रम की कमी प्रतीत होती है, जिससे वे उपजते हैं। इतिहासकार यह भी तर्क देते हैं कि व्यक्तिगत अनुभव सामान्यीकरण को कठिन बनाते हैं। इस तरह के सूक्ष्म साक्ष्य से बड़ी तस्वीर नहीं बनाई जा सकती है और एक सबूत कोई सबूत नहीं है। विभाजन पर मौखिक डेटा स्वचालित रूप से या आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। एक बड़ी समस्या यह है कि साक्षात्कार आयोजित किए जाने की आवश्यकता है। दूसरी समस्या यह है कि नायक शायद निजी अनुभवों के बारे में बात नहीं करना चाहते।

मानचित्र कार्य

Q10. दक्षिण एशिया के रूपरेखा मानचित्र पर, कैबिनेट मिशन प्रस्तावों के अनुभाग क, ख और ग को चिह्नित करें। यह मानचित्र वर्तमान दक्षिण एशिया के राजनीतिक मानचित्र से कैसे भिन्न है?

उत्तर :

